हमारे समयो में

यह सबकुछ हमारे ही समयों में होना था
कि समय ने रूक जाना था
थके हुए युद्ध की तरह
और कच्ची दीवारों पर
लटकते कैलेंडरों ने
प्रधानमंत्री की फोटो बनकर रह जाना था

धूप से तिड़की हुई दीवारों के परखचों
और धुएं को तरसते चूल्हों ने
हमारे ही समयों का गीत बनना था

गरीब की बेटी की तरह बढ़ रहा
इस देश के सम्मान का पौधा
हमारे रोज घटते कद के
कंधों पर ही उगना था
शानदार एटमी तजर्बे की मिट्टी
हमारी आत्मा में फैले हुए
रेगिस्तान से उड़नी थी

मेरे-आपके दिलों की सड़क के
मस्तक पर जमना था
रोटी मांगने आए अध्यापकों के
मस्तक की नसों का लहू
दशहरे के मैदान में
गुम हुई सीता नहीं,
बस तेल का टिन मांगते हुए
रावण हमारे ही बूढ़ों को बनना था
अपमान वक्त का हमारे ही
समयों में होना था
हिटलर की बेटी ने जिंदगी के
खेतों की मां बनकर
खुद हिटलर का 'डरौना'
हमारे ही मस्तकों में गड़ाना था
यह शर्मनाक हादसा
हमारे ही साथ होना था
कि दुनिया के सबसे पवित्र शब्दों ने
बन जाना था सिंहासन की खड़ाऊं-
मार्क्स का सिंह-जैसा सिर
दिल्ली की भूल-भूलैया में
मिमियाता फिरता हमें ही देखना था
मेरे यारो, यह कुफ्र
हमारे ही समयों में होना था

बहुत दफ़ा, पक्के पुलों पर
लड़ाइयां हुई
लेकिन जुल्म की शमशीर के
घूंघट न मुड़ सके
मेरे यारो, अपने अकेले जीने की
खाहिश कोई पीतल का छल्ला है
हर पल जो घिस रहा
न इसने यार की निशानी बनना है
न मुश्किल वक्त में रकम बनना है

मेरे यारो, हमार वक्त का एहसास
बस इतना ही न रह जाए
कि हम धीमे-धीमे मरने को ही
जीना समझ बैठे थे
कि समय हमारी घड़ियों से नहीं
हड्डियों के खुरने से मापे गए

यह गौरव हमारे ही समयों को मिलेगा
कि उन्होंने नफ़रत निथार ली
गुजरते गंदलाए समुद्रों से
कि उन्होंने बींध दिया
पिलपिली मुहब्बत का तेंदुआ
और वह तैरकर जा पहुंचे
हुस्न की दहलीजों पर
यह गौरव हमारे ही समयों का होगा
यह गौरव हमारे ही समयों का होना है।

-पॉश

रेत माफिया के डर से मारा मारा फिर रहा है अशोक

फरीदाबाद (म.मो.)। शहर के पूर्वी छोर में बह रही यमुना ने फरीदाबाद में रेत माफिया को जन्म दिया। कहने को सरकार यमुना से रेत निकालने का ठेका छोड़ती है, लेकिन अधिकारियों को चांदी को जूते की नोंक पर रख कर माफिया रोजाना लाखों के वारे न्यारे कर देता है और जब कोई उसके इस धंधे में आड़े आता है तो माफिया उसकी जान लेने से भी नहीं चूकता। तब भी बेशर्म पुलिस वाले उसकी इस काम में मदद ही करते हैं।

ऐसी ही एक घटना सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र के अंतर्गत घटी। 25 सितंबर को अशोक ने पुलिस कंट्रोल रूम के 100 नंबर पर यमुना रेत चोरी होने की जानकारी दी। इस बारे में उन रेत माफिया को पता चल गया तो रेती चोरी करके ले जा रहे थे। उन माफिया ने रविवार की सुबह 5.30 बजे अशोक कुमार का विनय नगर उसके घर के पास से अपहरण कर लिया। अशोक कुमार के मुंह में कपड़ा भी ठूंस दिया था, ताकि वह शोर ना मचा सके। आरोप है कि आरोपियों ने उसे तिलपत रेंज के जंगल में ले जाकर लात-घूसे व डंडों से जमकर पीटा। इतने पर भी आरोपियों का दिल नहीं पसीजा तो आरोपी अशोक कुमार को विनय नगर में ही अपने ठिकाने पर ले गए। वहां पर आरोपी उसे शिकायत वापस लेने की धमकी देकर मारपीट करते रहे। जब इस बारे में अशोक की पत्नी सुमन और भाभी सुनीता को यह पता चला कि अशोक को आरोपी अपने घर के पास ही पीट रहे हैं। यह पता चलने पर दोनों उनके ठिकाने पर पहुंच गई। बदमाशों ने इन दोनों पर भी हमला कर दिया। डंडों से दोनों पैरों पर इतने वारे किए कि अशोक अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो सका। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोग एकत्रित हो गए, जिससे वे भाग गए। परिजनों ने लहूलुहान अवस्था में अशोक कुमार को बादशाह खान अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डाक्टरों ने उसे इलाज में लापरवाही बरती। डाक्टरों द्वारा अशोक कुमार को मात्र इंजेक्शन लगाकर उसे रेफर कर दिया। परंतु परिजनों ने अशोक को एम्स के ट्रामा सेंटर में इलाज कराया। अशोक जब थोड़ा ठीक हुआ तो उसके परिजन थाने ले गए। वहां जब वह हमलावरों के खिलाफ शिकायत करने लगा तो पुलिस वाले टालने लगे। किसी तरह मामला दर्ज किया तो दूसरी पार्टी से भी अशोक के खिलाफ लिखवा कर ले लिया कि मामला लेन देन का है और अशोक ने ही उनके साथ बदतमीजी की थी।

यहां यह जानना जरूरी है कि अशोक है कौन? दरअसल, यमुना की रेती के खनन को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल में अलग अलग दो याचिका दायर हैं। इनमें एक नोएडा की ओर से है तो दूसरी ओर फरीदाबाद की ओर से। फरीदाबाद की याचिका अशोक कुमार ने डाली थी।

यह याचिका तिलपत शूटिंग रेंज में हो रहे यमुना रेती खनन के खिलाफ है। शूटिंग रेंज सेना की जमीन है, लेकिन सेना वाले इस जमीन की देखरेख नहीं कर पाते और चोर यमुना से लगती इस जमीन से रेत खोद खोद कर ले जा रहे हैं और वहां बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। ट्रिब्यूनल ने इस याचिका के बाद सरकार, प्रशासन और पुलिस को बहुत धमकाया है और इस मामले में अधिकारियों की जिम्मेवारी फिक्स करने को कहा है।

इसके बाद भी पुलिस ने वहां चौकसी नहीं बरती और जब अशोक वहां हो रही चोरी की सूचना पुलिस को देता है तो पुलिस वाले उल्टे उसे धमका देते हैं और अब तो माफिया ने ही उस पर हमला कर दिया।

हालत यह है कि उसके बाद से अब तक केवल दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन अशोक के घर पर पुलिस वाले दबिश दे रहे हैं, ताकि माफिया की शिकायत पर उसे दबोच लें और अशोक तब से ही घर नहीं आ रहा है। एक माह से अधिक समय हो गया, लेकिन अशोक घर नहीं पहुंचा। वहीं, बदमाश अब भी उसे घर के आसपास घूमते रहते हैं।

भविष्य निधि : घोटालेबाजों को अधिकारियों का संरक्षण

करनाल (जेकेपीके)। भविष्य निधि आयुक्त कार्यालय में 13 मिनट में 5 लाख 7 हजार 5 सौ 14 रूपए का घपला होते-होते बच गया, पकड़े जाने पर दोषी को सजा देने की बजाये इनाम दे डाला इस कार्य को अंजाम देने वाले कर्मचारी को अतिरिक्त केन्द्रीय आयुक्त का संरक्षण प्राप्त होने के कारण इनाम के तौर पर विभागीय दौरे पर फरीदाबाद भेज दिया गया ताकि सरकारी नियमों के अनुसार उसे वेतन के साथ दैनिक भत्तों का भी भुगतान दिया जाये।

गत 11 अगस्त 2014 को दोपहर 1 बजकर 47 मिनट पर इस कर्मचारी पंकज धीमान ने एक भुगतान का झूठा दावा मोना धीमान के नाम डायरी कर एक लिपिक ब्रह्मदत्त व सहायक आयुक्त एम.पी. शर्मा का आई.डी. प्रयोग की तथा दावे को सहायक आयुक्त एम.पी. शर्मा को प्रेषित कर दिया। इस दावे का लगभग 10 साल पहले ही भुगतान हो चुका है लेकिन खाते में अभी भी भुगतान नहीं हुआ लिखा है। जिसका पूरा विवरण पंकज धीमान के पास था इसलिए खाता नम्बर एच.आर. 2525/4 धारक जी सी चौहान एस.डी. सीनियर सैकेण्डरी स्कूल अम्बाला कैन्ट को निशाना बनाते हुए एक महिला मोना धीमान निवासी कैथल को अधिकृत कर भुगतान का दावा पासकर भुगतान हेतु विभाग को भेज दिया। मोना धीमान पंकज धीमान की रिश्तेदार है। किसी कर्मचारी ने इस मामले की सूचना मजदूर मोर्चा संवाददाता को दी जिससे संवाददाता के कार्यालय में पहुंचते ही सुगबुगाहट शुरू हो गई जिससे कार्यालय कर्मचारी सतर्क हो गये और सहायक आयुक्त एम.पी. शर्मा ने भुगतान रूकवा दिया। लिपिक ब्रह्मदत्त ने भी क्षेत्रीय आयुक्त को शिकायत देकर कहा कि उसकी आई.डी. को धोखे से प्रयोग किया गया है। कर्मचारियों की सजगता से विभाग को 5,07,514 रूपए का चूना लगने से बच गया पंकज धीमान ने ये सारा कार्य लंच के समय ही कर दिया। अगर 5 मिनट और मिल जाते तो भुगतान हो ही जाता।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कार्यालय करनाल में पंकज धीमान विभाग के तकनीकी सूचना विभाग में डाटा ऑपरेटर का काम करता है। इस विभाग में सभी कर्मचारियों द्वारा दिये गये कोड व पासवर्ड होते हैं। जब भी कोई कर्मचारी अपने पीसी पर कोई अधिकृत टिप्पणी डालता है तो उसे अपने निजी पासवर्ड का प्रयोग करना होता है। लेकिन ये कर्मचारी अन्य कर्मचारियों का गोपनीय पासवर्ड चुरा लेता हैं जिसमें यहां अधिकृत एक कम्पयूटर कम्पनी एच.सी.एल. का कर्मचारी अनिल शर्मा भी सहायता करता हैं अनिल शर्मा के पास कम्पनी द्वारा दिये गये साफ्टवेयर की पूरी जानकारी होती है जिससे कार्यालय कर्मचारी व अधिकारी का कोड या पासवर्ड चुराने में कोई मुश्किल नहीं आती।

पंकज धीमान पहले रोहतक कार्यालय में भी इसी पद पर कार्य करता था। मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 1998 में भी वह इसी तरह के भुगतान मामले में निलम्बित रह चुका है तथा रोहतक से करनाल स्थानान्तरण भी सजा के तौर पर किया गया था। विभाग से मिली सूचना अनुसार इस कर्मचारी पर अतिरिक्त केन्द्रीय आयुक्त जगमोहन का इसे संरक्षण प्राप्त है इसलिए विभाग के कर्मचारी इससे भय खाते हैं।

अपर केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त जगमोहन भी काफी चर्चित अधिकारी है तथा कार्यालय कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री भारत सरकार को एक विस्तृत शिकायत पत्र लिखा है जिसकी प्रति नरेन्द्र तौमर, केन्द्रीय श्रम मंत्री को भी दी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कर्मचारियों ने स्पष्ट आरोप लगाया है कि अपर आयुक्त ने 12 जुलाई 2014 को एक महिला मित्र के साथ करनाल के एक सितारा होटल डिवेचनर में 10 हजार रूपए प्रति दिन के हिसाब का कमरा बुक करवाया तथा सरकारी अवकाश के दिन होटल के अन्दर क्षेत्र में कार्यरत 9 इन्सपैक्टर व अन्य अधिकारियों की एक बैठक ली तथा मोटी रकम का लेन-देन हुआ। अगले दिन ये अधिकारी 13 जुलाई 2014 को महिला मित्र के साथ होटल ताज पांच सितारा सैक्टर 17 चण्डीगढ़ में रूका, उपरान्त ये अधिकारी महिला मित्र के साथ शिमला चला गया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि हरियाणा व राजस्थान में कार्यरत 125 इन्सपैक्टरों से भारी भरकम रिश्वत ली जाती है जिसका रेट अलग-अलग शहरों में अलग है। करनाल क्षेत्र के इन्सपैक्टर से 20 हजार, गुड़गावा से 75 हजार व फरीदाबाद जैसे शहर से पचास हजार प्रति इंस्पैक्टर प्रतिमाल नजराना इकट्ठा करता है। इस अधिकारी ने द्वारका दिल्ली क्षेत्र में एक विभागीय स्टाफ क्वार्टर पर नियमों के खिलाफ अपना निवास स्थान बनाया है। वहां से ये प्रतिदिन कार्यालय में आता है लेकिन उच्चाधिकारियों से कोई अनुमति नहीं ली हुई।

पंकज धीमान की इसी अधिकारी की छत्रछाया में काम कर रहा है तथा विभागीय नियमों की ढील का लाभ उठाते हुए हर वर्ष करोड़ों रूपए का घपला कर देता है। पंकज धीमान ने कार्यालय की सॉफ्टवेयर का लिंक अपने निजी कम्प्यूटर में कर रखा है तथा कार्यालय के गोपनीय कार्य भी अपने घर बैठे ही कर देता है जिसके लिए ये भविष्यनिधि अंशदाताओं, औद्योगिक इकाईयों से भारी मात्रा में धन ऐंठता है। ये कर्मचारी एक सुन्दर भारद्वाज के नाम से भविष्य निधि सलाहकार के साथ मिलकर करनाल व कैथल क्षेत्र की लगभग 1500 यूनिटों के लिए सलाहकार का काम करता है। जिसमें जाहिर तौर पर विभाग को प्रति वर्ष करोड़ों का चूना लगाया जा रहा है। एक अन्य सलाहकार पवन भारद्वाज वकील ने 03.01.2014 को पत्र क्रमांक 282/हरि/ प्रशासन/1558 द्वारा उक्त कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की हैं

पूरे मामले की जानकारी डायरेक्टर विजिलैन्स मुनीष पुरी से फोन नम्बर 26100251 पर ली गई तो उन्होंने बताया कि पंकज धीमान को निलम्बित कर दिया गया है जिसका एक पत्र जरूर आया है लेकिन मामले की पूरी छानबीन की जायेगी और अगर किसी भी स्तर पर कही कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो उसके खिलाफ प्रशासनिक व पुलिस कार्रवाई की जायेगी।

कर्मचारियों ने बताया कि अगर पंकज धीमान व इसके सहयोगियों द्वारा सलाहकार के रूप में सैटल किये गये दावों की जांच की जाये तो करोड़ो रूपये के घपले खुल जायेंगे।

मज़दूर मोर्चा

नियमित रूप से हर माह की पहली व सोलह तारीख को प्राप्त करने के लिए अपने हॉकर से संपर्क करें। कोई दिक्कत होने पर फ़रीदाबाद के पाठक शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर तथा बल्लभगढ़ के पाठक अरोड़ा न्यूज़ एजेन्सी फोन नं 9811477204, करनाल के पाठक अशोक कुमार जैन, फुटवियर जवाहर मार्किट सदर बाजार से फोन नं 9896436739 पर सम्पर्क करें।